

और दिसम्बर, 1984 के दौरान विविध आधारों पर रिहा किये गये व्यक्तियों की संख्या के बारे में इस प्रकार है :—

	नवम्बर 1984	दिसंबर, 1984
साहकार बोर्डों की सलाह पर	7	19
नदालतों के आदेश पर	16	32
नजरबंदी अवधि की समाप्ति पर प्रतिसंहरण पर	19	17
ज.ड. :	42	68

विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी, निवारण अधिनियम के तहत नजरबन्द किये गये उपर्युक्त व्यक्तियों की रिहाई, उनके खिलाफ न्यायालयों में शुरू की गई विभागीय कार्यवाहियों/अभियोजनों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना की गई है।

(ख) रिहा किये गये उपर्युक्त व्यक्तियों के नामों और पत्तों के बारे में सूचना एकत्र की जा रही है और उसे सदन-पटल पर रख दिया जायेगा।

(ग) जिन व्यक्तियों को रिहा किया गया उनमें से एक नजरबन्द व्यक्ति को विदेशी मुद्रा की जालसाजी करने के सिलसिले में नजरबन्द किया गया था और उसे उसकी नजरबंदी को पूरी अवधि का समाप्ति के बाद ही रिहा किया गया था।

#### केन्द्रीय मंत्रियों पर बकाया आय कर

178. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उन केन्द्रीय मंत्रियों के नाम क्या हैं जिन पर 1982 से 84 के वर्षों का आयकर बकाया है और इसे वसूल करने हेतु क्या कदम उठाये गये हैं।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : केन्द्र सरकार के मंत्रियों की संख्या अधिक होने की बात को ध्यान में रखते हुये, यह सूचना देश भर में फैले क्षेत्रीय कार्यालयों से एकत्र करनी होगी जिसमें पर्याप्त समय और श्रम लगेगा। तथापि, यदि किसी मंत्री विशेष के बारे में तारीख विशेष को रहे बकाया करके संबंध में सूचना

अपेक्षित है, तो उसे एकत्र कर प्रस्तुत किया जा सकता है।

नवम्बर 1984 में हुए दंगों के दौरान क्षतिग्रस्त हुए वाहनों के बीमा संबंधी दावे

179. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाओं में क्षतिग्रस्त हुये ट्रकों, कारों, टेम्पो, आटोरिक्षा, बसों तथा टैक्सी कारों के लिये कुल कितने बीमा क्लेम 1 नवम्बर, 1984 से 30 नवम्बर, 1984 की अवधि में दायर किये गये ;

(ख) उनमें से कितने क्लेम का अब तक निपटान कर दिया गया है ; और

(ग) उक्त अवधि के दौरान कुल कितनी धनराशि के बीमा क्लेम दायर किये गये ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) पहली नवम्बर, 84 से 30 नवम्बर, 84 की अवधि के दौरान साधारण बीमा कम्पनियों (साधारण बीमा निगम की सहायक कंपनियों) में दायर किये गये इन बीमा दावों की कुल संख्या तथा उनकी कुल अनुमानित राशि क्रमशः 2641 तथा 20.84 करोड़ रुपये। इनमें से अब तक कुल 2106 दावे निपटा दिये गये हैं।

#### Construction of temporary barracks by NMDC in 'Panna-Hira' Mining Area

180. SHRI PYARELAL KHANDELWAL: Will the Minister of STEEL, MINES AND COAL be pleased to state:

(a) what is the number of temporary barracks constructed by the National Mining Development Corporation in 'Panna-Hira' mining area during the years 1982 to 1984;

(b) whether it is a fact that some of these temporary barracks have already collapsed and some were not constructed at all, even though they have been shown as constructed and their construction cost has been accounted for; and

(c) if so, whether Government propose to conduct an enquiry into the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF STEEL (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) Between the years 1982 to 1984, 30 temporary units have been constructed in the 'Panna-Hira' mining area by the National Mineral Development Corporation out of the 65 planned. Construction of the remaining 35 units is in progress.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

**हाल के लोक सभा चुनावों के दौरान प्रधान मंत्री को सुलभ कराए गए हेलीकाप्टर**

181. श्री प्यारेलाल खण्डेलवाल : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1984 के लोक सभा चुनाव प्रचार हेतु प्रधानमंत्री के उपयोग के लिये कितने हेलीकाप्टर किराये पर दिये गये ;

(ख) क्या इन हेलीकाप्टरों का किराया लिया गया है, यदि हां, तो इस मद में कुल कितना किराया वसूल किया गया है ?

रक्षा मंत्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) :

(क) 1 दिसम्बर से 25 दिसम्बर, 1984 के दौरान प्रधान मंत्री की गैर सरकारी यात्राओं/दौरों के लिये प्रत्येक हेली-प्लाइट, के वास्ते दो हेलीकाप्टर दिये गये थे ।

(ख) प्रधान मंत्री द्वारा भारतीय वायु सेना के हेलीकाप्टरों द्वारा की गई उपर्युक्त यात्राओं/दौरों से संबंधित किराये के बिल वायु सेना मुख्यालय में तैयार किये जा रहे हैं । जैसे ही ये बिल तैयार हो जायेंगे किराये की राशि वसूल करने की कार्रवाई शुरू कर दी जायेगी ।

**Appointment on compassionate grounds of L.D.Cs. by E.M.E. Delhi Cantt.**

182. SHRI PAWAN KUMAR BANSAL:

SHRIMATI MONIKA DAS:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that appointment letters for the post of LDCs were issued by the Commander, Headquarters Technical Group EME, Delhi Cantt. in

favour of some persons asking them to join their duties on the 9th November, 1984, on compassionate grounds; but they were not allowed to join;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that the Ministry of Defence gave approval for these appointments; and

(d) if so, by when these persons are likely to be appointed by the Commander, Headquarters Technical Group, EME-Delhi Cantt?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a)

(d) An offer of appointment, on compassionate grounds, was issued by the Commander, Headquarters Technical Group EME, Delhi Cantt., to one individual who was asked to report to that Headquarters on 8th November 1984. This appointment was approved by Deputy Director, Electrical Mechanical Engineering and Ministry of Defence had accorded approval for relaxation of upper age limit of 25 years for the post of Lower Division Clerk as the individual happened to be 30 years old. The individual was not allowed to join on 8-11-1984 as it subsequently transpired that he did not possess any knowledge of typewriting which is one of the essential qualifications for the post of L.D.C. The individual has been allowed to join as L.D.C. on 14-1-85 subject to the condition that he will acquire proficiency in typewriting in a period of two years. This is permitted under the relevant Rules.

**Pit-head stocks**

183. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of STEEL, MINES AND COAL be pleased to state:

(a) what were the pithead coal stocks as on 1st April, 1983 and the 31st December, 1984 and what was its value; and

(b) whether the present stock position is considered on the higher side; if so, what steps are proposed to be taken to bring it to reasonable level?